>

Title : Need to grant special status to the State of Bihar.

श्री उदय सिंह (पूर्णिया): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे एक अति संवेदनशील विषय उठाने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए, यह मांग कोई नई नहीं है। वर्ष 2000 में जब बिहार और झारखंड बनाया गया था, तब से यह मांग चल रही है। लेकिन अफसोस है, हमने देखा कि कल राज्य सभा ने आंध्र प्रदेश के विभाजन होने का बिल पारित किया। पिछले छ: महीने से देश में जो दृश्य था, उसे सब लोग देख रहे थे। लेकिन क्योंकि बिहार और झारखंड के लोगों ने बड़ी शालीनता के साथ अपने राज्य को विभाजित कर लिया और दोनों तरफ खुशियां हुई, इसका यह मतलब नहीं होना चाहिए कि बिहार के साथ इस तरह अनदेखी की जाए। दस करोड़ लोगों का यह राज्य पिछले दस वर्षों से राजनीतिक नूरा-कुश्ती का एक तरह से विकटिम बन रहा है। कांग्रेस वाले कभी जदयू के साथ कभी और लोगों के साथ मिलकर हमें लॉली पॉप दिखाते हैं। कभी रघुराम राजन कमिशन बिठाते हैं कभी और कोई कमिशन बिठाते हैं। लेकिन हमारा जो हक, अधिकार है, उससे हमें वंचित रखा जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय संधियां नहीं हो रही हैं। बिहार में हर वर्ष बाढ़ आती है और लाखों-लाख लोग घर से दूर हो जाते हैं, हजारों-करोड़ों रुपये का नुकसान हो जाता है। बिहार के साथ जो यह अनदेखी की जा रही है, यह कब खत्म होगी। इसलिए मैं मांग करता हूं कि यह सरकार जाते-जाते घोषणा करके जाए कि बिहार के साथ इतने वर्षों से जो अनदेखी हो रही है, उसे खत्म करते हुए बिहार को एक विशेष राज्य का दर्जा देगी, एक विशेष पैकेज देगी।

कुछ महीनों से हम देख रहे हैं कि वहां का सत्तारूढ़ दल जनता दल (यू) और यहां की कांग्रेस पार्टी कभी साथ आने की बात करती है कभी अलग होने की बात करती है। इस उधेड़बुन में बिहार के दस करोड़ लोगों को रखा जा रहा है। यह उचित नहीं है। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि यह जाते-जाते बिहार के लिए विशेष राज्य और विशेष पैकेज की घोषणा करे।

उपाध्यक्ष महोदय :

श्री कीर्ति आजाद और श्री

सैयद शाहनवाज हुसैन अपने को श्री उदय सिंह के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

श्री शरद यादव (मधेपुरा): उपाध्यक्ष जी, उदय सिंह जी ने जो मामला उठाया, मैं आपसे एक ही बात कहना चाहता हूं कि जब देश में न्याय की दृष्टि कमजोर होती है तब देश टूटता है, देश में वातावरण आकारण ही खराब होता है। रघुराम राजन कमेटी बनी और वित्त मंत्री जी कह रहे हैं कि विचार चल रहा है। हम लोगों ने तेलंगाना के मामले में कभी एतराज नहीं किया। आंध्र के साथ न्याय होना चाहिए। लेकिन हिमालय का सारा पानी बिहार और उत्तर प्रदेश के सिर से गुजरता है। आप झारखंड की हालत जानते हैं, इतना सम्पन्न सूबा है और किस तरह उसकी बर्बादी है। बंगाल, ओडिशा, पूर्वांचल, इन सारे सूबों का आजादी के बाद से ही पिछड़ापन घोषित है। इंटरिम बजट में पिछड़े इलाकों के लिए जो थोड़ा-बहुत पैसा दिया जाता था, उसका प्रावधान भी नहीं किया गया है। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि आप किसी सूबे को बंटवारे में विशेष सुविधा देना चाहते हैं, लेकिन बिहार की कमर टूट गई और उसके बाद जो झारखंड बना, उसका भी बुरा हाल है। आप और जगह भी लोगों को सुविधा दीजिए, लेकिन जो सूबे आजादी के बाद साठ सालों से आपकी तरफ ललक से देख रहे हैं कि कभी न्याय होगा। लेकिन न्याय होने की किसी तरह से कोई गुंजाइश नहीं है। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि एक तरफ आप पिछड़े राज्यों के लिए रघुराम राजन कमेटी बनाते हैं। उसमें आज भी विचार कर रहे हैं और आप उसमें इधर या उधर करते रहते हैं। क्यों भाई, क्या बिहार और झारखंड का बंटवारा नहीं हुआ? अगर यह हुआ है तो वे किस हालत में हैं? एक मेगावाट बिजली भी बिहार के पास नहीं बची। हमारे सदस्यों ने बताया कि शिक्षा, इंडस्ट्री इत्यादि हर तरह से वह पिछड़ा राज्य है। रघुराम राजन ने साफ-साफ कहा है कि जो नम्बर एक पर पिछड़ा राज्य है, वह बिहार है। आपने उससे अपनी पूरी दृष्टि हटाई है। यह ठीक नहीं है और बड़ा ऋण होगा। मैं देश की एकता के लिए हमेशा खड़ा रहा हूं, लेकिन इन इलाकों की जनता इस बात पर नहीं बैठेगी। आपने बड़ी उथल-पुथल करने के लिए यह पहल की है। मैं विनती करना चाहता हूं कि सरकार ऐसा न करे और देश की एकता के लिए इन पिछड़े राज्यों की तरफ ध्यान दे। ...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): उपाध्यक्ष महोदय, जब इन लोगों की सरकार थी, तब बिहार को पिछड़े राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया गया। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप बैठ जाइये। आपको जब बोलने का मौका मिलेगा तब बोलिये। â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): आप बैठिये, मुझे बोलने के लिए कहा गया है। ...(व्यवधान) मैं अपनी बात कहूंगा, आपको जवाब नहीं दूंगा। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, कल इसी सदन में वित्त मंत्री महोदय का एक वक्तव्य हुआ था। ...(व्यवधान)

वह वक्तव्य बिल्कुल भ्रामक था। ...(व्यवधान) उन्होंने सदन को गुमराह करने का काम किया, क्योंकि ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : रघुवंश प्रसाद जी, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपकी बात हो गयी, इसलिए आप बैठ जाइये। सिन्हा जी खड़े हैं।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : तीनों एक साथ कैसे खड़े हो सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : आप जाकर लालू जी से पूछिये कि क्यों नहीं हुआ? ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। सिन्हा जी, आप उधर न देखकर चेयर की तरफ देखकर बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन कर रहा था कि उन्होंने सदन को गुमराह करने का काम किया ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : आप जाकर लालू जी से पूछिये। वे जानते हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यशवंत सिन्हा जी, आप चेयर की तरफ देखकर बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री यशवंत सिन्हा जी के अलावा किसी और सदस्य की कोई बात रिकार्ड में नहीं जायेगी।

...(व्यवधान)*

श्री यशवंत सिन्हा : उपाध्यक्ष महोदय, जैसा अभी शरद जी ने कहा ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : उदय सिंह जी, कृपया आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : उपाध्यक्ष जी, जैसा अभी शरद जी ने कहा कि किस-किस राज्य को इस देश में विशेष राज्य का दर्जा देना चाहिए ...(व्यवधान) उस पर रघुराम राजन कमेटी बनी। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : उस कमेटी ने एक सिफारिश की। ...(व्यवधान) रघुराम राजन की सिफारिशों को, जिसमें रघुराम राजन कमेटी ने क्या कहा? ...(व्यवधान) उन्होंने कहा कि बिहार. झारखंड, ओड़िशा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप सब शांत रहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : ये छः राज्य हैं, जिन्हें विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : यह उस कमेटी ने कहा। ...(व्यवधान) एक्सपर्ट कमेटी बनी और उस कमेटी की सिफारिश आ गयी। उसमें राज्य आईडेंटिफाई हो गये कि किन-किन राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। अब उस कमेटी की रिपोर्ट को भारत सरकार में घुमाया जा रहा है और घुमाने का कोई अंत नहीं है। हम सब इस बात के पक्ष में हैं कि सीमांध्र को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए, स्पेशल पैकेज मिलना चाहिए। ...(व्यवधान) लेकिन जिस आसानी के साथ सीमांध्र को कल दूसरे सदन में प्रधान मंत्री जी के द्वारा इस बात की घोषणा कर दी गयी कि उसे विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा, तो आप बताइये कि इस बात को तय करने के लिए क्या बचा कि इन छः राज्यों को भी विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए? ...(व्यवधान) यह क्या है? क्या सिर्फ राजनीति पर आधारित भारत सरकार के फैसले होंगे। ...(व्यवधान) इसलिए मैं मांग करता हूं ...(व्यवधान) कि भारत सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री इस सदन में अभी आएं और आकर घोषणा करें कि उन छः राज्यों को भी विशेष राज्य का दर्जा दिया जाएगा। ...(व्यवधान) यह बात जो कही जा रही है कि नेशनल डेवलपमेंट काउंसिल में यह मामला जाएगा, ...(व्यवधान) यह बिल्कुल गलत है। ...(व्यवधान) यह प्रोसिज़र नहीं है। भारत सरकार चाहे, तो तत्काल घोषणा कर सकती है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया संक्षिप्त करें।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : इसलिए मैं सरकार से मांग करता हूं ...(व्यवधान) कि प्रधानमंत्री आएं और सदन में इसकी घोषणा करें। ...(व्यवधान) इसके बाद ही दूसरा काम लिया जाए। ...(व्यवधान)

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): उपाध्यक्ष महोदय, मैं स्वयं को श्री यशवंत सिन्हा जी द्वारा उठाये गये मामले से संबद्ध करता हूँ। ...(व्यवधान)